पढ़ो पंजाब पढ़ाओ पंजाब हिन्दी टीम

पाठ्यक्रम 2021-22

कक्षा-छठी पाठ्यक्रम प्रथम चरण (1-15 मई)

व्याकरण

संज्ञा

परिभाषा:- किसी व्यक्ति,वस्तु,स्थान या भाव आदि के नाम को संज्ञा कहते हैं।

उदाहरण:- राम अपने घर में पढ़ाई कर रहा है। मेज़ पर उसकी किताबें रखी हैं।पास में ही उसके पिताजी कुर्सी पर बैठकर समाचार-पत्र पढ़ रहे हैं।एक सोफ़े पर राम की माँ तथा उसकी छोटी बहन पूजा आपस में बातें कर रही है। पूजा के चेहरे पर हँसी है।

उपर्युक्त वाक्यों में राम,पिताजी,माँ,पूजा व्यक्तियों के नाम हैं।

कुर्सी,मेज़,किताब,समाचार-पत्र,सोफ़ा वस्तुओं के नाम है।

घर स्थान का नाम है।

हँसी भाव है।

संज्ञा के भेद (संज्ञा के तीन भेद हैं)

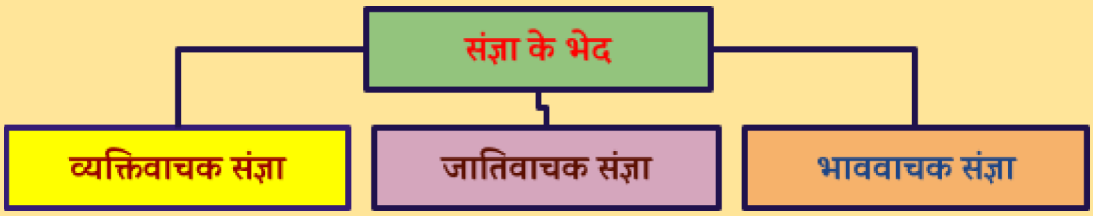

1.व्यक्तिवाचक संज्ञा:- जिस शब्द से किसी विशेष व्यक्ति, वस्तु या स्थान का बोध हो, उसे व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते हैं।

उदाहरण:-

- ताजमहल आगरा में है।
- सचिन तेंदुलकर एक महान क्रिकेटर है।
- रामायण एक पावन ग्रंथ है।
- राधा दिल्ली में रहती है।
- मुझे अमिताभ बच्चन की फिल्में पसंद हैं।

ऊपर दिए गए उदाहरण किसी विशेष व्यक्ति- सचिन तेंदुलकर,अमिताभ बच्चन,राधा; किसी विशेष स्थान-ताजमहल,दिल्ली तथा किसी विशेष वस्तु (पुस्तक) रामायण का बोध करा रहे हैं।

इन्हें व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते हैं।

व्यक्तिवाचक संज्ञा के अन्य उदाहरण-

- रानी लक्ष्मीबाई, शहीद भगत सिंह, सीता, मुँशी प्रेमचंद अथवा किसी व्यक्ति का नाम।
- सभी पर्वतों, नदियों, धार्मिक ग्रंथों, त्योहारों तथा देशों के नाम व्यक्तिवाचक संज्ञा होते हैं।
- सूर्य, चंद्रमा, पृथ्वी आदि व्यक्तिवाचक संज्ञा के उदाहरण हैं।
- महीनों तथा दिनों के नाम भी व्यक्तिवाचक संज्ञा के उदाहरण हैं।
- सभी फलों तथा सब्ज़ियों के नाम भी व्यक्तिवाचक संज्ञा ही हैं।

2. जातिवाचक संज्ञा-जिस शब्द से किसी व्यक्ति,वस्तु या स्थान की संपूर्ण जाति का बोध हो,उसे जातिवाचक संज्ञा कहते हैं। **उदाहरण:-**

- फूल खिले हैं।
- पक्षी पेड़ पर बैठे हैं।

- नदी बह रही है।
- शेर, भेड़ और भैंस की भांति झुंड में नहीं रहता।
- आज का युवक कल का नेता है।
- लाल बहादुर शास्त्री का जन्म साधारण परिवार में हुआ।
- उनका स्कूल गंगा पार था।
- नदी,पर्वतों से निकलकर सागर में मिल जाती है।

उपर्युक्त वाक्यों में फूल,पक्षी,पेड़,नदी,शेर,भेड़,भैंस,युवक,नेता,परिवार,स्कूल,पर्वत और सागर शब्द किसी विशेष के बारे में नहीं बल्कि उनकी संपूर्ण जाति के बारे में बता रहे हैं।इन्हें जातिवाचक संज्ञा कहा जाता है।
सभी समूहवाची शब्द जातिवाचक संज्ञा के अंतर्गत आते हैं। जैसे:- कक्षा,सेना,भीड़ आदि।
धातु या द्रव पदार्थों के नाम भी जातिवाचक संज्ञा होते हैं। जैसे:- सोना,चाँदी,दूध,घी इत्यादि।
जातिवाचक संज्ञा के अन्य उदाहरण:- पक्षी,मनुष्य,शिक्षक,पुस्तक,नदी,देश,पर्वत आदि।

अशुद्ध–शुद्ध

हिन्दी एक मधुर भाषा है किन्तु कोई भी भाषा सीखने से ही आती है। अच्छी हिन्दी बोलने लिखने के लिए यह आवश्यक है कि हम शब्दों और वाक्यों का शुद्ध प्रयोग सीखें। कभी-कभी अज्ञान और भ्रम के कारण भाषा में अनेक अशुद्धियाँ हो जाती हैं। शुद्ध लिखने के लिए शुद्ध बोलना भी आवश्यक है। प्रत्येक छात्र को बोलते या लिखते समय प्रत्येक वर्ण या अक्षर की ध्वनि अथवा शब्द ध्वनि पर विशेष ध्यान देना चाहिए।

अशुद्ध	शुद्ध	अशुद्ध	शुद्ध
आधीन	अधीन	आकाल	अकाल
आंडा	अंडा	आयू	आयु
अहार	आहार	अतिथी	अतिथि
बज़ार	बाज़ार	कवी	कवि
मुनी	मुनि	हानी	हानि
क्योंकी	क्योंकि	परिक्षा	परीक्षा
पशू	पशु	साधू	साधु
सुर्य	सूर्य	वधु	वधू
पुज्य	पूज्य	ओरत	औरत
रिण	ऋण	ऐकता	एकता
रितु	ऋतु	किरपा	कृपा
रिषि	ऋषि	क्रष्ण	कृष्ण
किरन	किरण	गुन	गुण
प्रान	प्राण	आंख	आँख
चांद	चाँद	दांत	दाँत
पँडित	पंडित	गँगा	गंगा
कँधा	कंधा	भूक	भूख
हिंदुस्थान	हिंदुस्तान	सजन	सज्जन
उज्वल	उज्ज्वल	उचारण	उच्चारण
प्रसंशा	प्रशंसा	नमश्ते	नमस्ते
प्रशाद	प्रसाद	सकूल	स्कूल
धनयवाद	धन्यवाद	आगया	आज्ञा
विगयान	विज्ञान	छमा	क्षमा
पथ्थर	पत्थर	मच्छर	मच्छर
परणाम	प्रणाम	अधियापक	अध्यापक